एक आलू
दो आलू

मिस्टर और मिसेज़ ग्रेडी गरीब हैं, उन्हें सब कुछ एक-दूसरे के साथ बांटना पड़ता है - एक आलू, एक कुर्सी, एक छेदों से भरा कम्बल, और एक पुराना कोट जिसे वे पहनते हैं. उनके पास सिर्फ एक ही मोमबत्ती है और मुसीबत के समय के लिए उनके गद्दे के नीचे एक सोने का सिक्का छिपा रखा है. फिर भी उन दोनों को लंबे समय से एक दोस्त की तलब है. . .

फिर एक दिन आखिरी आलू खोदते समय, श्री ग्रेडी को एक बड़ी काली वस्तु दिखाई दी. वो एक बहुत बड़ा पतीला था - वो कोई सामान्य बर्तन नहीं था, जो कुछ भी उसमें जाता था वह दोगुना हो जाता था. अब वो उसके साथ क्या करेंगे?

एक आलू

दो आलू

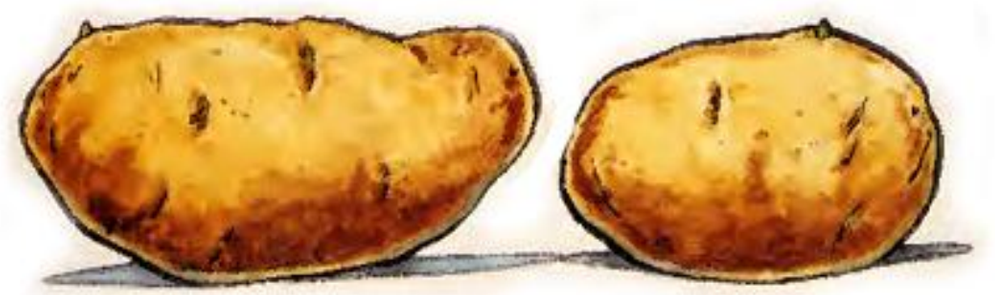

मिस्टर और मिसेज ग्रेडी एक नंगी और चट्टानी पहाड़ी पर अकेले रहते थे. उनके बच्चे बहुत पहले ही बड़े हो गए थे और अपनी-अपनी किस्मत आज़माने के लिए दुनिया के अलग-अलग कोनों में चले गए थे. मिस्टर और मिसेज ग्रेडी अपनी कुटिया में पीछे रह गए थे. उनके पास बहुत कम चीज़ें थीं और वो आपस में सब कुछ साझा करते थे.

मिस्टर और मिसेज ग्रेडी इतने गरीब थे कि वे हर दिन अपने छोटे से बगीचे से एक आलू खोदकर खाते थे. वही उनका नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना होता था. फिर भी वे खुद को भाग्यशाली मानते थे.

वे दोनों इतने पतले थे कि वे खाना खाते समय एक ही कुर्सी पर कंधे से कंधा मिलाकर बैठ सकते थे, और यह एक अच्छी बात थी. क्योंकि उनके पास सिर्फ एक ही कुर्सी थी.

मिसेज ग्रेडी के पास केवल एक हेयरपिन थी. साथ में, उनके पास छेदों से भरा एक कंबल, और एक पुराना कोट था, जिसे वे सर्दियों में पहनते थे.

उनके पास बस एक ही मोमबत्ती थी, जिसे उन्होंने कभी नहीं जलाया था. हर शाम, जब सूरज ढलता और अंधेरा घिरता था, तब मिसेज ग्रेडी मोमबत्ती जलाने का नाटक करती थीं. और हर सुबह, जब सूरज उगता और रोशनी उनके छोटे घर को भरती थी, तो वो मोमबत्ती को बुझाने का नाटक करती थीं.

उनके पास एक सोने का सिक्का था, जिसे उन्होंने मुसीबत के दिनों के लिए बचा कर रखा था. उसे वो अपने गद्दे के नीचे छिपा कर रखते थे.

वैसे मिस्टर ग्रेडी एक पति के रूप में मिसेज ग्रेडी को बहुत अच्छे लगते थे. फिर भी उनका एक मित्र हो यह तमन्ना उनके दिल में थी. कोई ऐसा मित्र जिसके साथ मिसेज ग्रेडी उबले हुए आलू के पकवान और पुरानी मीठी यादों को साझा कर सकें, जिसे वो यह बता सकें कि वो अपने नवजात शिशुओं के कोमल सिर को कैसे छूती थीं.

मिसेज ग्रेडी भी मिस्टर ग्रेडी के लिए एक बेहतरीन पत्नी थीं. फिर भी, वो भी मिस्टर ग्रेडी दोस्त के लिए तरसते थे, कोई ऐसा दोस्त जिसके साथ वो आलू की फसल की बीमारियों के बारे में चर्चा कर सकें.

एक दिन, मिस्टर ग्रेडी अपने भोजन के लिए आलू की एक क्यारी में खुदाई कर रहे थे. वैसा वो हर दिन ही करते थे. पर आज वो कुछ निराश थे क्योंकि वो अपने बगीचे की अंतिम क्यारी में से आलू खोद रहे थे. कहीं वो चूक न गए हों, इसलिए उन्होंने थोड़ा और गहरा खोदा.

वो क्या था? वो आलू की तुलना में कहीं कठोर था, वो आलू से बड़ा, और आलू से काला था. . . क्या, वो एक बर्तन था! मिस्टर ग्रेडी काफी हैरान थे क्योंकि वो उस छोटी सी क्यारी में पहले कभी नहीं गए थे. वो अपनी पत्नी को उत्सुकपूर्वक उस वस्तु को दिखाना चाहते थे. चूंकि उसे उठाने और ले जाने के लिए उन्हें अपने दोनों हाथों की जरूरत पड़ी, इसलिए उन्होंने आखिरी आलू को उस बर्तन में डाला और फिर घर के लिए रवाना हुए. .

"मिसेज ग्रेडी, जल्दी आओ!" वो चिल्लाए.

मिसेज ग्रेडी दरवाजे पर भाग कर आईं. "तुम्हें वहाँ क्या मिला?" उन्होंने पूछा.

"ठीक है," मिस्टर ग्रेडी ने कहा. उन्होंने फर्श पर बर्तन रखते हुए कहा, "एक पुराना बर्तन मिला."
"अच्छा, तो यह है," मिसेज ग्रेडी ने कहा. "लेकिन यह खाना पकाने के लिए तो बहुत बड़ा है."
"अभी यह हमारे आखिरी आलू को घर लाने के काम आया है."
"हमारा आखिरी आलू! ' मिसेज ग्रेडी चिल्लाईं. "भगवान हम पर दया करो! बताओ अब हम क्या करेंगे?" फिर वो आलू लेने के लिए बर्तन के ऊपर झुकीं. जैसे ही वो झुकीं, उनकी हेयरपिन बालों से बाहर निकलकर बर्तन में गिर गई. उन्होंने उसपर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया, हालांकि, अब बर्तन के अंदर दो आलू पड़े थे. उन्होंने आलुओं को उठाया. "पति," उन्होंने डाँटा, "तुम्हें इस तरह की गंभीर बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए!"

"लेकिन मैं मजाक नहीं कर रहा था," मिस्टर ग्रेडी ने कहा. वो दूसरे आलू को देखकर बहुत चिंतित हुए. "पर मैंने तो बर्तन में केवल एक ही आलू डाला था."
मिसेज ग्रेडी मुस्कुराईं. "मेरा केवल एक हेयरपिन बर्तन में गिरा था. मुझे लगता है कि अब मुझे दो मिलेंगे?"
जब उन्होंने बर्तन में झाँका तो उनका चेहरा पीला पड़ गया. जब उन्होंने अपने हाथों को ऊपर उठाया, तो उनके हाथ में एक नहीं बल्कि दो हेयरपिन थीं, दोनों बिल्कुल एक-जैसी. "पति, यह कैसे हो सकता है?" वो धीमे से फुसफुसाईं.

मिस्टर ग्रेडी ने एक हेयरपिन उठाई और उसे बर्तन में फेंक दी. जल्दी से उन्होंने बर्तन में अंदर हाथ डाला और दो हेयरपिन निकाले.

"अब मेरे पास एक के बजाए तीन हेयरपिन हैं!" मिसेज ग्रेडी ने कहा. खुशी से वह अपने बालों को संवारने लगीं.

मिस्टर ग्रेडी ने कहा, "पत्नी, सोचो! निश्चित रूप से यह एक जादुई बर्तन है! अगर वो एक आलू के दो और एक हेयरपिन के दो बना सकता है, तो अगर हम अपनी मोमबत्ती उसमें डालें तो क्या होगा?" उसके बाद वो पूरे कमरे में अपनी मोमबत्ती तलाशने लगे.

मिसेज ग्रेडी ने मोमबत्ती ढूंढी और वो उन्होंने वो बर्तन में डाली. फिर जब उन्होंने बर्तन में हाथ डाला तो उसमें से दो बिल्कुल एक-जैसी मोमबत्तियाँ बाहर निकलीं. कौन नई थी और कौन सी पुरानी यह बताना मुश्किल था.

इसके बाद, मिस्टर ग्रेडी ने अपने कोट को बर्तन में डाला. बर्तन में से एक और कोट निकला, बिल्कुल पहले वाले की ही तरह ही फटा हुआ!

फिर बर्तन में कंबल डाला गया, और बाहर दो कंबल निकले. नए कंबल में भी पुराने वाले की तरह ठीक उसी कोने में एक छेद था.

मिसेज ग्रेडी ने अपने पति को गले लगाया, "चलो, हम दोनों इस सर्दी में गर्म रहेंगे!" उन्होंने कहा.

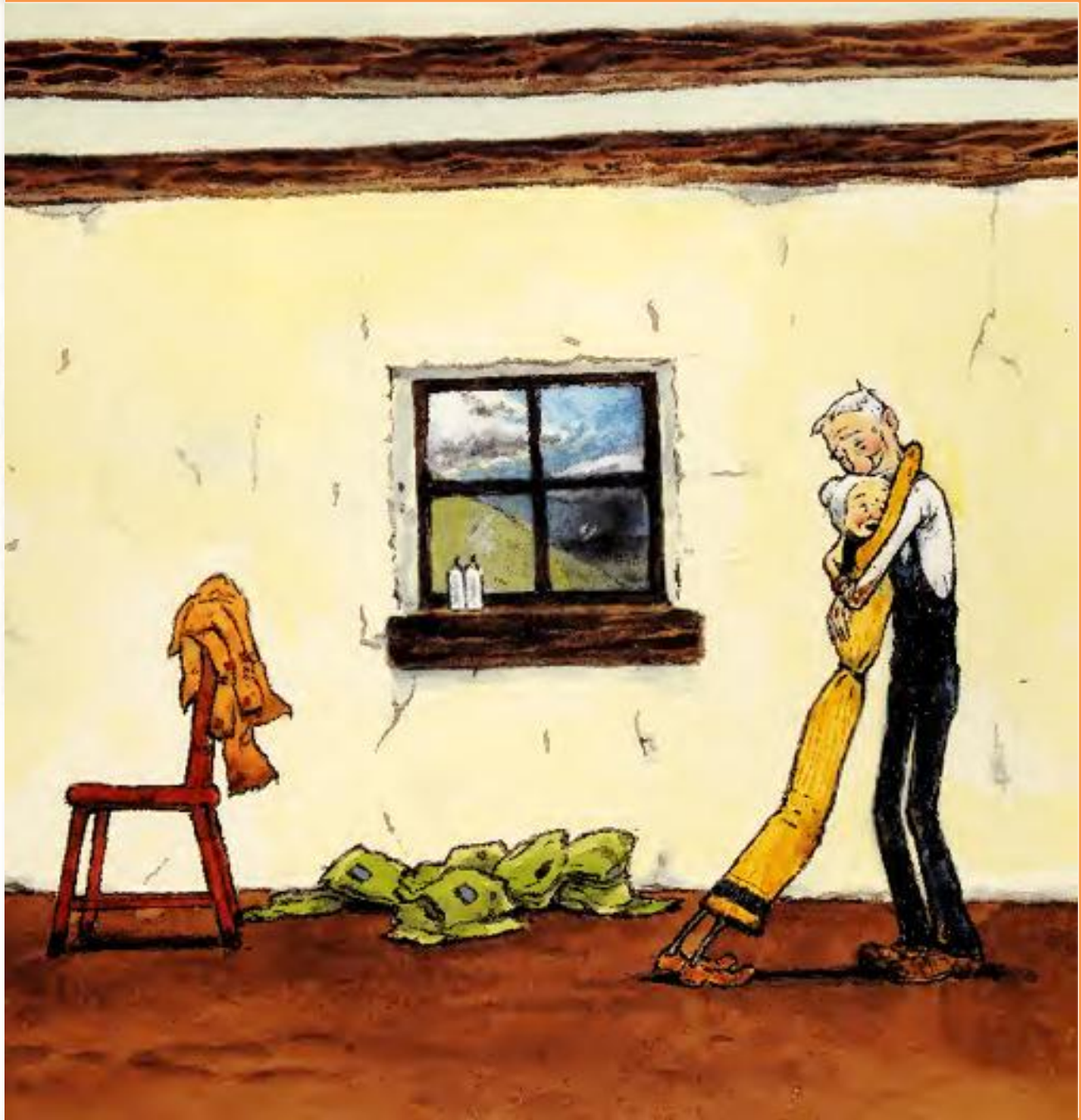

मिस्टर ग्रेडी ने दो आलू लिए और उन्हें बर्तन में डाला और फिर चार आलुओं को बाहर निकाला. फिर उन्होंने चार आलू बर्तन में फेंके और आठ बाहर निकाले. और जब उन्होंने आठ आलू डाले, तो सोलह आलू बर्तन में से बाहर निकले. जल्द ही ग्रेडी परिवार के पास दावत देने लायक पर्याप्त आलू थे.

मिसेज ग्रेडी ने खुद के लिए नए हेयरपिन का एक पूरा सेट बनाया और इतनी मोमबत्तियां बनाईं जिससे जाड़ों की अंधेरी रातें भी रोशन हो सकें.

फिर मिस्टर ग्रेडी ने बर्तन में कुर्सी डालने की कोशिश की, लेकिन कुर्सी बर्तन में फिट ही नहीं हुई.
"कोई बात नहीं," उन्होंने कहा. "एक ही कुर्सी ने हमें लंबे समय तक अच्छी सेवा दी है."
लेकिन मिसेज ग्रेडी, जो एक चतुर महिला थी, लगातार सोच रही थीं. फिर वो गद्दे पर जाकर बैठीं और उन्होंने कांपती उंगलियों से सोने का सिक्का निकाला. "पति," उन्होंने कहा, "क्या तुम्हें लगता है कि इस पर भी जादू काम करेगा?"

सांस रोककर उन्होंने सिक्के को बर्तन में फेंका. फिर एक सिक्के के दो हो गए! फिर दो के चार, चार के आठ, आठ के सोलह हो गए, और जल्द ही फर्श चमकते हुए सोने के सिक्कों से ढंक गया.
मिस्टर ग्रेडी ने सिक्कों में से कुछ अपनी जेब में डाले. "प्रिय पत्नी, अब मैं तुम्हारे लिए एक नया कोट, एक नया कंबल और एक नई कुर्सी खरीदने के लिए बाजार जा रहा हूँ."

मिसेज ग्रेडी ने अपने पति से अलविदा कहा. उन्होंने आलू एक बोरी में भर दिए. उन्होंने सिक्कों को इकट्ठा कर गद्दे के नीचे सुरक्षित रख दिया. फिर वो बाहर गईं जहाँ एक सूखी चट्टान पर उन्हें एक जंगली सुन्दर फूल खिला हुआ दिखाई दिया. जल्द ही मिसेज ग्रेडी के हाथ में फूलों का एक सुन्दर गुलदस्ता था.

दिन भर की उठापटक और उत्तेजना से मिसेज ग्रेडी थक गई थीं. फिर उन्होंने खुद को दोनों कंबलों में लपेटा और सो गईं. कुछ देर बाद अपने पति की हंसमुख सीटी से उनकी नींद खुली. जब पति दरवाजे से अंदर घुसे तो उनके दोनों हाथ सामान से भरे थे.

पति क्या लाए हैं यह देखने को मिसेज ग्रेडी बहुत उत्सुक थीं. मिसेज ग्रेडी पति से मिलने दौड़ीं. पर वो फँस गयीं और धम्म! से सीधे बर्तन में जाकर गिर पड़ीं. . .

"मेरी मदद करो! मेरी मदद करो!" वो ज़ोर से चिल्लाईं.

मिस्टर ग्रेडी के हाथ का सामान हवा में इधर-उधर उड़ने लगा. मिस्टर ग्रेडी ने बर्तन की ओर दौड़ लगाई. उनकी पत्नी की पतली टांगें, बर्तन में से बाहर झाँक रही थीं और आगे-पीछे लात मार रही थीं.

मिस्टर ग्रेडी ने उन टांगों को कसकर पकड़ा, और फिर गरीब बूढ़ी मिसेज ग्रेडी को बर्तन से बाहर निकालकर उन्हें धीरे से फर्श पर खड़ा किया.

लेकिन भगवान की दया से अब उसी तरह की दो अन्य टांगें, बर्तन के बाहर आगे-पीछे अपनी लातें चला रही थीं. बिना कुछ सोचे, मिस्टर ग्रेडी ने बर्तन में उन पतले छोटे पैरों को पकड़ा और बाहर निकाला. . . उसकी शक्ल-सूरत, कद-काठी बिलकुल मिसेज ग्रेडी - उनकी पत्नी जैसी ही थी. मिस्टर ग्रेडी के लिए दोनों महिलाओं के बीच अंतर कर पाना बेहद मुश्किल था.

"ओह डियर," मिस्टर ग्रेडी रोते हुए चिल्लाए. "मैं तो सिर्फ एक ही पत्नी चाहता था!"

जब पहली मिसेज ग्रेडी उस आश्चर्य से उबरीं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "अब बस एक ही काम करना बाकी बचा है."

मिस्टर ग्रेडी ने दूसरी मिसेज ग्रेडी को ओर इशारा करते हुए कहा, "चलो, उन्हें वापस बर्तन में फेंक दें?"

"बिल्कुल नहीं," पहली मिसेज ग्रेडी ने कहा. "अब आपको, यानि मेरे पति को खुद बर्तन में कूदना होगा."

"मैं बर्तन में कूदूं! लेकिन फिर मेरे भी दो होंगे." "बिलकुल ठीक!" पहली मिसेज ग्रेडी ने कहा. “तब प्रत्येक पति के लिए एक पत्नी होगी, और प्रत्येक पत्नी के लिए एक पति होगा. और सबसे अच्छी बात यह होगी," उन्होंने खुशी से जोड़ा, "आपके पास आख़िरकार एक दोस्त होगा, और मेरे पास भी."

मिस्टर ग्रेडी ने एक पल के लिए सोचा. फिर उन्होंने एक गहरी साँस ली और सिर के बल बर्तन में कूद पड़े. उनके फटे-पुराने चमड़े के जूते बर्तन के ऊपर हवा में लहरा रहे थे.

फिर दोनों मिसेज ग्रेडी ने उन जूतों को कसकर पकड़ा और मिस्टर ग्रेडी को खींचकर बाहर निकाला.

फिर क्या हुआ. अब दो अन्य जूते बर्तन से बाहर निकले हुए हवा में लहरा रहे थे. दोनों मिसेज ग्रेडी ने उन जूतों को पकड़ा और बाहर निकाला. अरे वाह! एक और मिस्टर ग्रैडी! महिलाओं के लिए पहले और दूसरे मिस्टर ग्रैडी के बीच अंतर बताना मुश्किल था.

फिर चारों ग्रेडी ने एक-दूसरे को घूरकर देखा. उन्होंने महसूस किया कि उनके बीच बेहद समानता थी. पहले से ही वे करीबी दोस्त थे. पहले मिस्टर और मिसेज़ ग्रेडी एक बात पर सहमत थे कि नए मिस्टर और मिसेज ग्रेडी की सचमुच में एक सुंदर जोड़ी थी.

फिर सबने मोमबत्ती की रोशनी में दो-दो आलुओं का भोज किया. मिसेज ग्रेडी ने बच्चों और उनके कपड़ों के बारे में खुशी से बात की, जबकि मिस्टर ग्रेडी ने आलू के फसल की बीमारियों पर चर्चा की. बाद में, पहली मिसेज ग्रेडी ने बर्तन को चारों ओर से अपनी बाहों में लपेटा और कहा, "धन्यवाद." फिर उन्होंने दूसरों से कहा, "निश्चित रूप से हमारे पास वो सब कुछ है जो हम संभवतः चाहते हैं. चलो, अब हम इस अद्भुत बर्तन को जाकर कहीं दफना दें जिससे कोई अन्य उसे खोज सके."

और उन्होंने वही किया. और उस दिन के बाद से दोनों ग्रेडी दंपत्ति खुशी से साथ-साथ रहे.
वे पास-पास के घरों में रहते थे.

समाप्त